श्री गोवर्धन महाराज लाज मेरी राखो हे बनवारी रे

श्री गोवर्धन महाराज लाज मेरी राखो हे बनवारी रे,
तेरे जोडू हाथ गिरधारी रे.....

तेरे ब्रज में वर्षा हुई भारी, जब लाज बचाई बनवारी,
सब गोप गोपियां रो-रो हारी, श्री माधव कृष्ण मुरारी रे,
तेरे जोडू हाथ गिरधारी रे.....

तूने इंद्र का मान घटाया था, नख पै गिरिवर को उठाया था,
श्री कृष्ण चरण को धोया था मैं आया शरण तिहारी रे,
तेरे जोडू हाथ गिरधारी रे.....

तू गोवर्धन गिरधारी है, मनमोहन श्याम मुरारी है,
तुझे दुनिया दिल से ध्यारी है, तुम सुन लो बात हमारी रे,
तेरे जोडू हाथ गिरधारी रे.....

पूछरी कौ लौठा मुखारविंद मानसी गंगा हरीगोविंद,
दुनिया के जितेंद्र कटे फन्द जो राधा कुंड में नहा री रे,
तेरे जोडू हाथ गिरधारी रे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26239/title/shree-govardhan-maharaj-laaj-meri-rakho-hey-banvari-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |